विष्णु जो सुर हित नरतनु धारी । सोउ सर्बग्य जथा त्रिपुरारी ।।
खोजइ सो कि अग्य इव नारी । ग्यानधाम श्रीपति असुरारी ।।
विष्णु चारि भुज बिधि मुख चारी । बिकट बेष मुख पंच पुरारी ।।
|| मानस विष्णु प्रयाग || Ram Katha 975- Uttarakhand || ❋मोरारी बापू

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 262 | इंदौर, गुरुवार 09 अप्रैल, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

संयुक्त राष्ट्र में भारत को मिली चार अहम जिम्मेदारियां

● सतत विकास प्रणाली में निभाएंगे बड़ी भूमिका

नई दिल्ली, (एजेंसी) संयुक्त राष्ट्र में भारत को बड़ी कूटनीतिक सफलता मिली है। भारत ने आर्थिक और सामाजिक परिषद (ECOSOC) से जुड़े चार अहम निकायों के चुनाव में निर्विरोध जीत हासिल की है। इन सभी चुनावों में भारत का चयन सर्वसम्मति से हुआ, जो वैश्विक मंच पर उसकी मजबूत स्थिति को दर्शाता है। इन चुनावों में भारत को विकास के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आयोग , गैर-सरकारी संगठनों की समिति और कार्यक्रम एवं समन्वय समिति में चुना गया है।

प्रीति सरन को सीईएससीआर में फिर से चुना गया

इसके साथ ही, भारत की वरिष्ठ राजनयिक रहीं प्रीति सरन को आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों की समिति (CESCR) में फिर से चुना गया है। वह इससे पहले इस समिति के सत्र की अध्यक्षता भी कर चुकी हैं। प्रीति सरन का 36 वर्षों का लंबा कूटनीतिक अनुभव रहा है, जिसमें उन्होंने वियतनाम में भारत की राजदूत के रूप में सेवा दी, साथ ही टोरंटो, जेनेवा, ढाका, काहिरा और मॉस्को जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर भी तैनाती संभाली।

सीईएससीआर क्या है?

सीईएससीआर में 18 स्वतंत्र विशेषज्ञ शामिल होते हैं, जो आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय समझौते के पालन की निगरानी करते हैं। यह समिति भोजन, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, पानी और स्वच्छता जैसे बुनियादी अधिकारों से जुड़े मामलों पर नजर रखती है। वहीं, एनजीओ समिति संयुक्त राष्ट्र में सिविल सोसाइटी संगठनों की भागीदारी तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आयोग विकास और सतत भविष्य से जुड़े मुद्दों पर दिशा तय करता है, जबकि कार्यक्रम एवं समन्वय समिति संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के कामकाज में तालमेल सुनिश्चित करती है।

'अगर डील टूटी तो ईरान पर घातक कार्रवाई

● होर्मुज के आसपास रहेंगे अमेरिकी जहाज', ट्रंप की नई धमकी

वॉशिंगटन, (एजेंसी) अमेरिका-ईरान में अस्थायी सीजफायर के बाद फिर से तल्खी बढ़ती जा रही है. अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ा संदेश देते हुए चेतावनी दी है कि अगर डील टूटी तो उसके खिलाफ पहले कई ज्यादा घातक कार्रवाई की जाएगी. ट्रंप ने ये भी कहा कि जब तक असली समझौता पूरी तरह लागू नहीं होता, तब तक अमेरिका की सेना, जहाज और हथियार ईरान के आसपास तैनात रहेंगे. डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को व्हाइट हाउस से कहा कि जब तक असली समझौता पूरी तरह लागू नहीं होता, तब तक अमेरिकी सेना, जहाज और हथियार ईरान के आसपास ही तैनात रहेंगे. अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर समझौता टूटा तो ईरान पर पहले से भी ज्यादा बड़ी और ताकतवर कार्रवाई होगी.

कृषि मंथन कार्यशाला

सीएम यादव बोले- कृषि आजीविका का साधन ही नहीं, भारतीय संस्कृति और जीवन पद्धति का मूल आधार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

जबलपुर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। मध्यप्रदेश में कृषि और कृषि से जुड़े व्यवसायों को सह अस्तित्व की दृष्टि से बड़े सम्मान के साथ देखा गया है। समृद्ध किसान-समृद्ध मध्यप्रदेश की थीम के साथ पूरे वर्ष प्रदेश में कृषि उत्सव मनाया जा रहा है। कृषि के माध्यम से हमें प्रकृति के साथ जीने का अवसर मिलता है। देश में कृषि की परंपरा लाखों साल पुरानी है। भीम बैठिका में पुरातन काल से कृषि की परंपरा के शैलचित्र देखने को मिलते हैं। हमारे ऋषि-मुनियों ने हजारों वर्षों से कृषि के साथ जीने का मार्ग दिखाया है।

ये बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर में कृषि मंथन कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर तथा गौमाता का पूजन कर कार्यशाला का विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की भावना के अनुरूप जय किसान, जय जवान में जय विज्ञान जोड़ा गया था, वर्तमान दौर में हम, इसमें जय अनुसंधान भी जोड़ रहे हैं। प्रदेश में किसानों को हम केवल बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि किसानों को आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक खेती और बेहतर मार्केट लिंकेंजेस से भी सशक्त बना रहे हैं। कृषि मंथन कार्यशाला किसानों के अनुभव, विज्ञान के नवाचार, सरकार की नीतियों और बाजार की संभावनाओं को एक सूत्र में

पिरोने का सशक्त प्रयास है।

सौगातों की लगाई झड़ी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर उन्नत बीज प्रसंस्करण, औषधीय पौध प्रजाति, खाद्य प्रसंस्करण एवं उन्नत कृषि फसलों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में 23 करोड़ 21 लाख की लागत के विभिन्न कार्यों का लोकार्पण कर विकास की सौगाते दी। इनमें प्रमुख रूप से 13 करोड़ रुपये की लागत से बने जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के नवीन प्रशासनिक भवन, 1.11 करोड़ रुपये लागत के बोहानी गन्ना अनुसंधान केन्द्र के प्रशासनिक भवन, 1 करोड़ रुपये लागत के बालाघाट जिले के कृषि महाविद्यालय वारासिवनी के कौशल विकास केन्द्र के साथ ही जबलपुर में 1.26 करोड़ रुपये से बने स्वचालित तरल जैव उर्वरक उत्पादन केन्द्र का लोकार्पण किया। साथ ही किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग की 4 करोड़ 92 लाख रुपये से निर्मित 4 इकाइयों का भी लोकार्पण किया गया, इसमें रीवा एवं शहडोल के ज्ञान प्रसार केन्द्र शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यशाला में भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित 10 स्टार्ट-अप्स को 10 करोड़ रुपये से अधिक के स्वीकृति आदेश का वितरण किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि कल्याण वर्ष में हमें और आगे बढ़ना है। प्रदेश में विकास की अपार संभावनाएं हैं। कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए परंपरागत बीजों के स्थान पर उन्नत किस्म के बीज किसानों को उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे हमारी कृषि उत्पादन क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी। राज्य सरकार पशुपालन, उद्यानिकी, खाद्य प्रसंस्करण, आधुनिक यंत्र सभी को साथ जोड़कर किसानों की आय दोगुना करने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश, देश में सर्वाधिक प्राकृतिक खेती करने वाला राज्य है। बाबा महाकाल के प्रसाद में रागी के लड्डू तैयार किए जा रहे हैं। राज्य सरकार दूध उत्पादन से किसान की आय बढ़ा रही है। शासकीय स्कूलों में पहली कक्षा से 8वीं तक के बच्चों को निःशुल्क दूध के पैकेट बांटने का निर्णय लिया है। राज्य सरकार दुग्ध उत्पादन की अलग-अलग योजना पर कार्य कर रही है। प्रदेश में फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स की स्थापना को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

सरसों की फसल पर भी भावांतर का लाभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे वैज्ञानिक नई किस्मों के विकास में पोषकता पर विशेष जोर दे रहे हैं। प्रदेश में गेहूं उत्पादन का रिकॉर्ड बना है। मध्यप्रदेश ने गेहूं उत्पादन में सभी राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। प्रदेश में गेहूं का उपार्जन 9 अप्रैल से शुरू हो रहा है। किसानों को 2625 रुपए प्रति क्विंटल का भाव दिया जा रहा है। इसे 2700 रुपए तक पहुंचाने के लिए हम संकल्पित है। प्रदेश के सोयाबीन उत्पादक किसानों को भी भावांतर योजना का लाभ मिला है। अब सरसों की फसल पर भी भावांतर का लाभ किसानों को दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने नदी जोड़ो अभियान की कल्पना की थी। मध्यप्रदेश नदियों का मायका है। मध्यप्रदेश, देश में कृषि क्षेत्र में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाला राज्य बना है। इसमें माँ नर्मदा का विशेष आशीर्वाद शामिल है। कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. प्रमोद कुमार मिश्रा ने कहा कि कृषि मंथन कार्यशाला में देश-विदेश के कृषि वैज्ञानिक, कृषि स्टार्ट-अप, एफपीओ एवं किसान बंधु शामिल हुए हैं। यह मंच कृषि के क्षेत्र में प्रदेश को नई ऊंचाई प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मध्यप्रदेश अनेक कृषि फसलों में देश में नंबर-1 है। कृषि विश्वविद्यालय ने कृषि क्षेत्र में उत्पादन बढ़ाने के लिए गेहूं, सोयाबीन और चना सहित अनेक नई फसलों की किस्में तैयार की हैं।

कृषि वैज्ञानिकों के साथ किया संवाद

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर में देश के प्रख्यात कृषि वैज्ञानिकों के साथ सीधा संवाद किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषि विकास दर को गति देने के लिए क्षेत्रीय अनुकूलता के आधार पर गतिविधियों को सुनिश्चित करने और आधुनिक तकनीकों को किसानों तक प्रभावी तरीके से पहुंचाने के निर्देश दिए। वैज्ञानिकों ने पशुधन और पशुचारे के प्रबंधन के माध्यम से किसानों की अतिरिक्त आमदनी बढ़ाने के वैज्ञानिक तरीकों पर भी अपने विचार साझा किए।

अंबेडकर जयंती पर 14 अप्रैल को जन्मस्थली स्मारक महू में होगा विशाल समागम

●कलेक्टर शिवम वर्मा ने महू पहुंचकर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

इंदौर। संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहब भीमराव अम्बेड़कर की जयंती पर 14 अप्रैल को डॉ. अम्बेड़कर नगर महू में स्थित उनकी जन्मस्थली पर बने भव्य स्मारक में गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। आयोजन की व्यापक तैयारियां जारी है। कलेक्टर शिवम वर्मा ने आज डॉ. अम्बेड़कर नगर महू पहुँचकर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने सभी तैयारियां कार्यक्रम की गरिमा के अनुरूप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 14 अप्रैल को डॉ. बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जयंती उत्सव समारोह पूर्ण उत्साह, उमंग और आस्था के साथ इंदौर जिले के डॉ. अंबेडकर नगर (महू) में मनाया जाएगा। जयंती उत्सव में आने वाले श्रद्धालुओं कि मेहमानों की तरह राज्य शासन द्वारा आवभगत की जाएगी। श्रद्धालुओं के लिए आवास, भोजन, शीतल पेयजल आदि की विशेष व्यवस्था की जाएगी। जन्म स्थली पर बने भव्य स्मारक पर विशेष साज-सज्जा की जाएगी। फूलों और विद्युत रोशनी से सजावट होगी।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने बुधवार को डॉ. अंबेडकर नगर (महू) पहुंच कर जयंती उत्सव में की जाने वाली व्यवस्थाओं की समीक्षा की और अंतिम रूप दिया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रुपेश द्विवेदी, एसडीएम महू राकेश परमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

अम्बेडकर जयंती उत्सव समारोह में मध्यप्रदेश सहित अन्य प्रदेशों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आयेंगे। श्रद्धालुओं के आगमन का सिलसिला 12 अप्रैल की शाम से शुरू हो जाएगा। श्रद्धालुओं के भोजन की व्यवस्था स्वर्ग मंदिर परिसर में की जायेगी। यह व्यवस्था 12 अप्रैल की शाम से प्रारंभ हो जायेगी। उक्त भोजन व्यवस्था 14 अप्रैल की शाम तक जारी रहेगी। भंतो के भोजन की व्यवस्था माहेश्वरी स्कूल में की जाएगी तथा उनके रूकने की व्यवस्था भी माहेश्वरी स्कूल में रहेगी। श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु पर्याप्त संख्या में अस्थाई शौचालयों का निर्माण भी किया जाएगा। श्रद्धालुओं की पेयजल व्यवस्था हेतु विभिन्न स्थानों पर प्याऊ का निर्माण किया जायेगा।

अम्बेडकर जयंती के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं के रूकने हेतु धर्मशालाओं, केन्ट बोर्ड हायर सेकेण्डरी स्कूल एवं केन्ट बोर्ड कन्या स्कूल में श्रद्धालुओं को रूकने की व्यवस्था की जायेगी। इसके अलावा तीन विशाल डोम भी ठहरने के लिए बनाए जाएंगे।

कार्यक्रम की व्यवस्था हेतु कार्यक्रम स्थलों को सात सेक्टर में विभाजित किया गया है। यह सेक्टर महेश्वरी स्कूल महू, डॉ.अम्बेडकर जन्म स्थली, केन्ट प्रायमरी स्कूल, स्वर्ग मंदिर परिसर, रेल्वे स्टेशन से सात रास्ता, केन्ट बोर्ड कन्या विद्यालय तथा उत्कृष्ट विद्यालय महू में बनाये जाएंगे। उक्त सात सेक्टरों में दल का गठन कर सभी विभागों के व्यक्तियों की ड्यूटी लगाई जायेगी। उक्त सात सेक्टरों पर मराठी भाषी शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जायेगी, जिससे कि आने वाले श्रद्धालुओं को असुविधा न हो। कार्यक्रम की व्यवस्था हेतु तीन स्थानों पर कन्ट्रोल रूम बनाए जाएंगे। यह कंट्रोल रूम तहसील परिसर महू, अम्बेडकर जन्म स्थली स्मारक तथा स्वर्ग मंदिर परिसर में रहेंगे।

महू में समारोह के दौरान 6 स्थान पर आकस्मिक चिकित्सा की विशेष व्यवस्था रहेगी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिकित्सकों का दल गठन कर ड्यूटी लगाई जायेगी। कार्यक्रम में साफ-सफाई हेतु इन्दौर नगर निगम एवं स्थानीय निकाय से सफाई कर्मी की ड्यूटी लगाई जायेगी। समारोह के दौरान अग्निशमन की भी व्यवस्था रहेगी।

पीडब्ल्यूडी के दो अधिकारी 90 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत इंदौर में लोकायुक्त पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लोक निर्माण विभाग के दो अधिकारियों को 90 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।

लोकायुक्त पुलिस के अनुसार, आवेदक राघवेन्द्र सिंह गुर्जर, निवासी रामनगर आदर्शपुरम, ग्वालियर, जो सांई एसोसिएट फर्म में लायजनिंग मैनेजर हैं। उन्होंने शिकायत दर्ज कराई थी। उनकी फर्म ने सितंबर 2025 में राऊ से बामपुरा तक इलेक्ट्रिक सिटिंग का काम 20 लाख रुपए में लिया था, जिसे एक माह में पूर्ण कर दिया गया था। कार्य पूर्ण होने के बाद जीएसटी सहित 17 लाख रुपए का भुगतान लंबित था।

शिकायत में बताया गया कि भुगतान जारी करने के एवज में आरोपी बालकुमार जैन (सहायक यंत्री/प्रभारी कार्यपालन अधिकारी, लोक निर्माण विभाग, विद्युत व यांत्रिकी संभाग इंदौर) ने 4% के हिसाब से 60 हजार रुपए और आरोपी धीरेंद्र कुमार नीमा (सब इंजीनियर/प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी) ने 2% के हिसाब से 30 हजार रुपए की रिश्वत की मांग की थी। इस प्रकार कुल 90 हजार रुपए की मांग की गई थी।

आवेदक ने इसकी शिकायत राजेश सहाय (एसपी, लोकायुक्त) से की। शिकायत के सत्यापन के बाद 7 अप्रैल को ट्रैप दल का गठन किया गया। कार्रवाई के दौरान आरोपी बालकुमार जैन को 60 हजार रुपए और धीरेन्द्र कुमार नीमा को 30 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। दोनों आरोपियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम 2018 की धारा 7 एवं भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 61(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई की।

200 करोड़ से अधिक की बेशकीमती शासकीय भूमि को कराया गया अतिक्रमण मुक्त

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। पिपलिया राव क्षेत्र में चौइथराम हॉस्पिटल के सामने जिला प्रशासन और नगर निगम के संयुक्त अमले ने शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने के संबंध में बड़ी कार्रवाई की है। इस कार्रवाई में 200 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की बेशकीमती शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। यह कार्रवाई कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में एवं एसडीएम जूनी इंदौर घनश्याम धनगर के मार्गदर्शन में की गई। प्रशासनिक अमले ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही को प्रभावी रूप से सम्पन्न किया। श्री धनगर

ने बताया कि यह भूमि चोइथराम अस्पताल के ठीक सामने स्थित है। इस भूमि पर खुशबीर सिंह पिता दलजीत सिंह का लंबे समय से कब्जा था। राजस्व न्यायालय से प्रकरण में अतिक्रमण हटाने के आदेश हुए थे ।विगत 25 फरवरी 2026 को अंतिम सूचना पत्र जारी कर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे। यह भूमि ग्राम पिपलिया राव स्थित सर्वे क्रमांक 19/1, 20/1, 21/1 और 22/2 में स्थित है। इसका कुल रकबा 1.784 हेक्टेयर है।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा है कि शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आगे भी इस प्रकार की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। कार्यवाही के दौरान तहसीलदार राकेश सस्तिया, कमलेश कुशवाह, नायब तहसीलदार डीपी सोनी, रिमूवल अधिकारी अंकेश बिरथरे, बबलू कल्याणे आदि उपस्थित रहे।

एमवाय अस्पताल के डॉक्टरों ने दिखाया कमाल

जटिल ऑपरेशन के बाद मासूम बच्चे को दी नयी जिन्दगी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मध्यप्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल महाराजा यशवंतराव अस्पताल (MYH) के ईएनटी विभाग में एक ऐसा दुर्लभ मामला सामने आया, जिसने अनुभवी डॉक्टरों को भी हैरत में डाल दिया। महज एक साल के एक मासूम बच्चे के गले में फंसी एक जिंदा मछली को डॉक्टरों ने कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला।

परिजनों ने बताया कि खेल-खेल में एक छोटी जीवित मछली बच्चे के मुंह में चली गई थी, जो सीधे गले के पिछले हिस्से में जाकर अटक गई। जब बच्चे को एमवाय अस्पताल लाया गया, तब उसकी स्थिति अत्यंत नाजुक थी। वह न तो रो पा रहा था और न ही ठीक से सांस ले पा रहा था। डॉक्टरों के अनुसार बच्चे को सांस लेने में कठिनाई, घबराहट, बेचैनी और मुख से खून आना जैसी समस्या हो रही थी।

डॉक्टरों ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि मछली जीवित थी। मछली के गलफड़ों और पंखों की हलचल से बच्चे के स्वर-यंत्र और भोजन नली के जख्मी होने का पूरा अंदेशा था। केस की गंभीरता को देखते हुए ईएनटी विभागाध्यक्ष डॉ. यामिनी गुप्ता ने बिना समय गंवाए आपातकालीन टीम को अलर्ट किया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मरीज का ऑपरेशन कक्ष में तुरंत उपचार शुरू किया गया। इस चुनौतीपूर्ण रेस्क्यू में डॉ. यामिनी गुप्ता, डॉ. वर्षा राठी, डॉ. प्रेम प्रकाश धुर्वे और डॉ. सुरेंद्र पाल अलावा, डॉ मेघा, डॉ पूजा व निश्चेतना विभाग की डॉ. मोनिका गांधी व टीम ने मोर्चा संभाला। डॉक्टरों ने अत्यंत सावधानी और कुशलता के साथ करीब 3 इंच की गोरामी मछली को सफलतापूर्वक बाहर निकाल लिया।

उपचार प्रक्रिया के बाद बच्चे की सांस सामान्य हो गई और उसकी स्थिति स्थिर हो गई। समय पर किए गए इस उपचार से एक बड़ी अनहोनी टल गई। इस सफल मेडिकल प्रक्रिया ने न केवल बच्चे की जान बचाई, बल्कि एमवाय अस्पताल के विशेषज्ञों के कौशल को एक बार फिर साबित कर दिया। विशेषज्ञों का कहना है कि छोटे बच्चों में इस प्रकार की घटनाएं बहुत खतरनाक हो सकती हैं, क्योंकि उनकी सांस की नली संकरी होती है और थोड़ी सी भी रुकावट जानलेवा बन सकती है। इसलिए अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों को छोटी या जीवित वस्तुओं से दूर रखें और हमेशा उनकी निगरानी करें।

परशुराम जयंती की तैयारियां प्रारंभ

इंदौर। भगवान श्री परशुरामजी की जयंती 19 अप्रैल पर जानापाव तीर्थ स्थल पर कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। इसके लिये व्यापक तैयारियां जारी हैं। कलेक्टर शिवम वर्मा ने भगवान परशुराम जी की जन्मस्थली जानापाव पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान एसडीएम राकेश परमार, तहसीलदार विवेक सोनी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्री वर्मा ने आयोजन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिये। श्री वर्मा ने मंदिर परिसर, गौशाला और जलाशय का अवलोकन भी किया।

भागीरथपुरा मुद्दे पर हंगामे के बीच इंदौर नगर निगम बजट 2026 मंजूर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। नगर निगम के बजट 2026 को लेकर आयोजित सम्मेलन करीब साढ़े तीन घंटे तक चला, लेकिन शहर के मूल मुद्दों पर अपेक्षित चर्चा नहीं हो सकी। पूरे सत्र के दौरान वंदे मातरम, गद्दार और भागीरथपुरा से जुड़े विवादों पर ही बहस केंद्रित रही। शोर-शराबे और लगातार हंगामे के बीच अंततः बजट को बहुमत के आधार पर मंजूरी दे दी गई। दूसरे दिन भी सदन में भागीरथपुरा का मुद्दा प्रमुख रूप से छाया रहा। नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने आरोप लगाया कि विपक्ष शहर से जुड़े मुद्दों पर सार्थक चर्चा करना चाहता था, लेकिन भाजपा परिषद ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन नहीं किया। उन्होंने कहा कि बेवजह के मुद्दे उठाकर सदन की कार्यवाही को बाधित किया गया, जिससे शहर की समस्याओं पर चर्चा नहीं हो पाई।

मंगलवार को दर्शक दीर्घा में भागीरथपुरा के लोगों द्वारा किए गए हंगामे के बाद बुधवार को नगर निगम परिसर में सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई और गेट पर बाउंसर तैनात किए गए। इस बीच पार्षद राजू भदौरिया ने नगर निगम की जमीनों के स्वामित्व और उनकी स्थिति को लेकर सवाल उठाया। सदन में उस समय स्थिति और तनावपूर्ण हो गई जब कांग्रेस पार्षद राजू भदौरिया ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए पार्षदों को 'गद्दार' कह दिया। इसके बाद पार्षद योगेश गेंदर सहित कुछ भाजपा पार्षद सभापति के सामने धरने पर बैठ गए। सभापति मुन्नालाल यादव ने भदौरिया से खेद प्रकट करने को कहा, लेकिन पहले उन्होंने इनकार कर दिया। बाद में हंगामा बढ़ता देख भदौरिया ने माफी मांगी, जिसके बाद सदन की कार्यवाही फिर से शुरू हो सकी। सत्र के दौरान कॉलोनियों के नियमितीकरण, नगर निगम की जमीनों की स्थिति, चंदन नगर मार्ग के चौड़ीकरण और हुकमचंद मिल के पेड़ों से जुड़े मुद्दे भी उठाए गए। पार्षदों ने अधिकारियों पर स्वीकृत फाइलों में देरी का आरोप लगाया। जवाब में संबंधित अधिकारियों ने कुछ फाइलों की मंजूरी और जल्द काम शुरू होने की जानकारी दी। सदन में भागीरथपुरा का मुद्दा लगातार गूंजता रहा। महापौर परिषद सदस्य राजेंद्र राठौर ने आरोप लगाया कि युवक कांग्रेस नेताओं ने दर्शक दीर्घा में हंगामा किया, जिसे उन्होंने अमर्यादित आचरण बताया। वहीं कांग्रेस पार्षदों का कहना था कि वहां पीड़ित परिवारों के लोग मौजूद थे, जिन्हें भाजपा पार्षदों ने गलत तरीके से गुंडा कहा और उनका अपमान किया। भोजनावकाश के बाद कार्यवाही शुरू होने पर नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने प्रश्नोत्तरकाल का समय बढ़ाने की मांग की। इस पर भाजपा पार्षदों ने दर्शक दीर्घा में हुए हंगामे को लेकर उनसे माफी की मांग की। सभापति ने भी इस पर माफी की आवश्यकता जताई, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच लंबे समय तक हंगामा चलता रहा। अंततः इसी माहौल में बजट को बहुमत के आधार पर मंजूर कर दिया गया।

नगर निगम में पार्षद फौजिया शेख ने नहीं लगाए वंदे मातरम के नारे, सभापति ने सदन से निकाला बाहर

नगर निगम के बजट सम्मेलन के दौरान वंदे मातरम को लेकर उठा विवाद पूरे सत्र पर हावी रहा। करीब साढ़े तीन घंटे तक चले सम्मेलन में शहर के विकास से जुड़े मुद्दों पर अपेक्षित चर्चा नहीं हो सकी और वंदे मातरम, गद्दार तथा भागीरथपुरा के मुद्दों पर ही बहस होती रही। अंततः शोर-शराबे और हंगामे के बीच बजट को बहुमत के आधार पर मंजूरी दे दी गई। बजट चर्चा के दौरान कांग्रेस पार्षद जब योजनाओं पर सवाल उठा रहे थे, तभी सदन में एक बार फिर हंगामा शुरू हो गया। इस दौरान भाजपा पार्षदों ने वंदे मातरम, जय श्री राम और "इस देश में रहना होगा तो वंदे मातरम कहना होगा" जैसे नारे लगाए। इसी क्रम में पार्षद फौजिया शेख अलीम पर आरोप लगाए गए और कांग्रेस पर देश की अस्मिता से समझौता करने के आरोप भी लगाए गए, जिससे माहौल और अधिक तनावपूर्ण हो गया। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले वंदे मातरम के दौरान फौजिया शेख अलीम की अनुपस्थिति को लेकर विवाद और गहरा गया। जब उन्होंने गंदे पानी से जुड़ा सवाल उठाने की कोशिश की, तो भाजपा पार्षदों ने उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए सभापति की आसंदी तक पहुंचकर विरोध जताया। सभापति ने उन्हें सदन से बाहर जाने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने नियमों का हवाला देते हुए इनकार कर दिया। हालांकि कुछ समय बाद वे खुद सदन से बाहर चली गईं। सदन से बाहर आने के बाद फौजिया शेख अलीम ने कहा कि जो कुछ सदन में हुआ, वह उचित नहीं था। उन्होंने कहा कि संविधान उन्हें इस प्रकार की छूट देता है। उनके अनुसार, इस्लाम में वे इस तरह से वंदे मातरम नहीं कह सकतीं और किसी को भी उन्हें जबरन गाने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि राष्ट्रगीत के प्रति उनका सम्मान है, लेकिन इसे गाने के लिए मजबूरी नहीं होनी चाहिए। वहीं, नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने इस पूरे मामले पर कांग्रेस का आधिकारिक पक्ष रखते हुए कहा कि पार्टी राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत के प्रति पूरी निष्ठा और ईमानदारी से प्रतिबद्ध है। उन्होंने इसे किसी सदस्य की व्यक्तिगत राय बताया और कहा कि कांग्रेस के लिए वंदे मातरम और जन गण मन सर्वोच्च हैं। इस संबंध में प्रदेश अध्यक्ष को जानकारी दे दी गई है और आगे का निर्णय पार्टी स्तर पर लिया जाएगा। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि आजादी के इतने वर्षों बाद भी कुछ लोग गुलामी की मानसिकता के कारण इसका विरोध कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि फौजिया शेख अलीम वंदे मातरम गाने से बचने के लिए जानबूझकर देर से सदन में पहुंचीं। साथ ही उन्होंने कहा कि इस मामले में पार्षदी से जुड़े कानूनी पहलुओं पर विचार किया जाएगा।

पार्षद रुबीना बोलीं- एक बाप की औलाद हो तो...

विकास को लेकर पेश किए गए आठ हजार करोड़ के बजट पर बुधवार को सदन में चर्चा होनी थी। उसमें भाजपा और कांग्रेस की दो पार्षद वंदे मातरम बोलने के मुद्दे पर आमने-सामने हो गए। वंदे मातरम गीत में कांग्रेस पार्षद फौजिया शेख अलीम के शामिल नहीं होने पर भाजपा पार्षदों ने उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उनके समर्थन में एक अन्य कांग्रेस पार्षद रुबीना इकबाल खान भी बोलने लगीं और उन्होंने तैश में कहा कि अगर एक बाप की औलाद हो तो हमसे वंदे मातरम बुलवा कर दिखाएं। उन्होंने यह भी कहा कि तुम्हारे बाप में दम हो तो हमसे बुलवा कर दिखाएं। रुबीना ने कहा कि कुरान में वंदे मातरम की मनाही है। पार्षद रुबीना इकबाल ने कहा कि हम राष्ट्रगान गाते हैं। अब हमें कहा जाता है कि भारत में रहना है तो वंदे मातरम कहना होगा। क्या यह कोई दादागिरी है? उन्होंने कहा कि गलत बात हम अपने पिता की भी नहीं सुनते, तो इन भाजपा वालों की क्यों सुनें। कुरान में वंदे मातरम की मनाही है, क्योंकि इबादत के लिए अल्लाह ही योग्य है। वंदे मातरम का मतलब माता की इबादत करना है। हम अपनी मां की इबादत नहीं करते, तो फिर वंदे मातरम क्यों बोलें?

ड्रिंक एंड ड्राइव में की गई कार्रवाई...

सुप्रीम कोर्ट के वकीलों को बना चालान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। हीरानगर थाना पुलिस ने सोमवार देर रात एमआर-10 चौराहे पर हरियाणा नंबर की कार में सवार सुप्रीम कोर्ट के दो वकीलों और उनके साथियों को रोका। जांच में सभी के शराब के नशे में होने की पुष्टि होने पर पुलिस ने वाहन जब्त कर चालानी कार्रवाई की। थाना प्रभारी सुशील पटेल अपनी टीम के साथ एमआर-10 रोड पर चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान हरियाणा नंबर की कार को रोका गया, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के दो वकील अपने साथियों के साथ इंदौर आए थे। पुलिस के अनुसार वाहन सवार लोग शराब के नशे में थे और उन्होंने कार छोड़ने के लिए पुलिस पर दबाव बनाया। उन्होंने अपने वकील होने का परिचय भी दिया, लेकिन पुलिस ने नियमों का हवाला देते हुए वाहन छोड़ने से इनकार कर दिया। टीआई सुशील पटेल ने वकीलों से ड्राइवर बुलाने को कहा, लेकिन शराब की मात्रा अधिक होने के कारण वाहन नहीं छोड़ा गया। इसके बाद सभी लोग टैक्सी से होटल चले गए। मंगलवार को संबंधित वकीलों ने इंदौर के एक वकील की मदद से ड्रिंक एंड ड्राइव का चालान भरकर अपनी कार छुड़वाई। इसके बाद वे कोर्ट में मामलों की पैरवी के लिए पहुंचे। टीआई सुशील पटेल ने बताया कि सोमवार देर रात नशे में वाहन चलाने पर नियमानुसार कार्रवाई की गई थी। अगले दिन कोर्ट में चालान भरने के बाद वाहन छोड़ा गया।

विशेष राजस्व अभियान की समय सीमा 25 अप्रैल तक बढ़ाई गई

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। जिले के नागरिकों की राजस्व संबंधी समस्याओं और प्रकरणों के त्वरित निराकरण एवं राजस्व अभिलेखों को अद्यतन करने के उद्देश्य से सम्पूर्ण जिले में चलाये जा रहे विशेष राजस्व अभियान की अवधि को 25 अप्रैल तक बढ़ाया गया है। उल्लेखनीय है कि पूर्व में राजस्व अभियान 30 मार्च तक आयोजित होना था। कलेक्टर शिवम वर्मा ने समस्त राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया है कि राजस्व अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाना सुनिश्चित करें। राजस्व अभियान की प्रगति की प्रतिदिन समीक्षा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) द्वारा अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत करें। प्रतिदिन की प्रगति गूगल शीट में दर्ज की जायेगी। संपूर्ण अभियान के समन्वय के लिये प्रभारी अधिकारी भू-अभिलेख को नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाता है, जो समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) से समन्वय स्थापित कर प्रतिदिन की प्रगति से अवगत करायेंगे। अभियान की पाक्षिक समीक्षा 26 अप्रैल 2026 को की जायेगी। विशेष राजस्व अभियान के दौरान राजस्व कार्यों की प्राथमिकता एवं निरंतरता को दृष्टिगत रखते हुए अभियान की अवधि में समस्त राजस्व अधिकारियों के पूर्व में स्वीकृत अवकाश निरस्त किये गए हैं।

प्रेमी संग घर छोड़ गई थी युवती, लौटकर फांसी लगाई

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। बाणगंगा थाना क्षेत्र में रहने वाली 23 वर्षीय रिया शर्मा ने मंगलवार शाम अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजन उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक, रिया तीन दिन पहले अपने प्रेमी विजय कौशल के साथ घर छोड़कर चली गई थी। मंगलवार दोपहर उसके पिता संजू शर्मा को दोनों एमआर-10 इलाके में मिले, जिसके बाद समझाइश देकर उन्हें घर ले जाया गया। दोपहर में नहाने के बाद रिया से खाने का पूछा, लेकिन उसने इनकार कर दिया। वह हॉल में मां के पास ही बैठी रही। शाम के समय रिया के पिता दूध लेने बाहर गए थे। इसी दौरान रिया ने घर के पीछे के कमरे में खुद को बंद कर फांसी लगा ली। घटना के समय उसकी मां और प्रेमी विजय घर के हॉल में ही मौजूद थे, जबकि भाई पिता के गैरेज पर था। पिता

के अनुसार, रिया और विजय के बीच पिछले 4 साल से संबंध थे। विजय शादी की बात को लगातार टालता रहा। इसी बीच परिवार ने रिया के लिए बेंगलुरु में रिश्ता देखा, लेकिन विजय ने इसका विरोध किया। परिजनों ने बताया कि विजय कुछ काम नही करता। उसने रिया से शादी का प्रस्ताव काफी समय पहले रखा था। तब उसे यह कहकर हां की थी कि वह कुछ काम करे तब बेटी का रिश्ता पक्का कर देंगे। लेकिन करीब 4 साल तक विजय टालता रहा। आखिर में रिया ने खुद परिजनो से दूसरा रिश्ता देखने को लेकर बात की। लेकिन विजय ने वहां भी बात नही होने दी ओर रिया को रोक दिया। उन्होने अपनी बेटी के मौत को लेकर विजय ओर उसके परिवार पर आरोप लगाए है। परिजनों का कहना है कि विवाद के दौरान रिया ने पहले अपने हाथ की नस भी काट ली थी। इसके बाद वह विजय के साथ उसके घर गई, लेकिन वहां भी कहासुनी के बाद वापस आ गई। परिजनों ने आरोप लगाया है कि विजय कोई काम नहीं करता था और लगातार शादी टालता रहा, जिससे रिया मानसिक रूप से परेशान थी। फिलहाल बाणगंगा थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मध्यप्रदेश में पिछले दो सालों में रेल सेवाओं में हुआ अभूतपूर्व विस्तार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के अथक प्रयासों का परिणाम, केंद्र से मिला सहयोग

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अथक प्रयासों के फलस्वरूप मध्यप्रदेश में पिछले दो सालों में रेल सेवाओं और बुनियादी ढांचे में अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। मध्यप्रदेश 'डबल इंजन सरकार' का एक शानदार उदाहरण बनकर उभरा है। अब प्रदेश भारत का चौथा सबसे बड़ा रेलवे नेटवर्क है और रेल कनेक्टिविटी में सबसे बड़ी हिस्सेदारी वाले शीर्ष दस राज्यों में से एक है। रेलवे ट्रैक की लंबाई बढ़कर 5,200 किलोमीटर हो गई है, जो देश के कुल रेल नेटवर्क का 7.6% है। बेहतर रेल सेवाओं के माध्यम से देश के सभी हिस्सों तक आसानी से पहुँचा जा सकता है। मध्यप्रदेश के लिए आवंटित रेलवे बजट में 24 गुना वृद्धि हुई है। इस वर्ष 15,188 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो एक रिकॉर्ड है। पिछले वर्ष यह राशि 14,745 करोड़ रुपये थी। वर्ष 2009 से 2014 तक, वार्षिक बजट केवल 632 करोड़ रुपये था। वर्तमान में 1,18,379 करोड़ रुपये की लागत वाली विभिन्न रेल परियोजनाएँ अलग-अलग चरणों में चल रही हैं।

आर्थिक विकास में आयेगी तेजी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रयासों से केंद्र सरकार ने कई प्रमुख रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिससे राज्य को आर्थिक परिवर्तन की गति तेज करने में मदद मिली है। इस प्रगति का श्रेय केंद्र और राज्य सरकारों के बीच गहरी आपसी समझ और समन्वय को जाता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जबलपुर-गोंदिया रेलवे लाइन के दोहरीकरण, तथा सिंहस्थ कुंभ मेला : 2028 के संदर्भ में अन्य अधोसंरचना विकास परियोजनाओं को मंजूरी दी है। बड़ी उपलब्धि यह है कि राज्य में रेल लाइनों का 100 प्रतिशत विद्युतीकरण पूरा हो चुका है। अमृत भारत स्टेशन योजना में छह स्टेशनों - कटनी दक्षिण, नर्मदापुरम, ओरछा, सिवनी, शाजापुर और श्रीधाम - पर पुनर्विकास का काम पूरा हो चुका है। इसके अलावा, पूरे राज्य में 74 स्टेशनों को अपग्रेड किया जा रहा है। यात्रियों के लिये 3,163 करोड़ रुपये की आधुनिक सुविधाएँ विकसित की जा रही है। वंदे भारत ट्रेनें यात्रियों के लिए वरदान साबित हुई हैं। इनमें भोपाल-नई दिल्ली, इंदौर-नागपुर, भोपाल-रीवा और खजुराहो-बनारस शामिल हैं। इंदौर और भोपाल में 2 मेट्रो ट्रेनें चल रही हैं, जिनसे शहरी आबादी को राहत मिली है। रायसेन जिले के उमरिया गाँव में 1800 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक रेल कोच निर्माण इकाई बनाई जा रही है। इससे 5000 लोगों को रोजगार मिलेगा।

बड़े राज्यों में सीधा संपर्क

जबलपुर-गोंदिया रेल लाइन के दोहरीकरण से महाकौशल क्षेत्र में बड़ा बदलाव आएगा। इससे पर्यटन, धार्मिक गतिविधियों और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। इस प्रोजेक्ट में 5,200 करोड़ रुपये से ज़्यादा का निवेश किया गया है। कान्हा नेशनल पार्क और धुआँधार जलप्रपात जैसे पर्यटन स्थलों में पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी होगी। इससे जबलपुर सहित मण्डला, सिवनी और बालाघाट जिलों को सीधा लाभ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय और पर्यटन क्षेत्र का विस्तार होगा। कोयला, इस्पात, सीमेंट, खाद्यान्न और उर्वरक के परिवहन में तेजी आयेगी। उद्योगों के लिये मजबूत सप्लाई चेन बनेगी और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इंदौर-मनमाड रेलवे लाइन 18,036 करोड़ रुपये से ज़्यादा की लागत से बनाई जा रही है। इन रेलवे प्रोजेक्ट्स से मध्यप्रदेश को बड़े आर्थिक लाभ की उम्मीद है। इंदौर-मनमाड़ रेल लाइन धार, खरगौन और बड़वानी जिलों को सीधा लाभ होगा। कृषि और व्यापार बढ़ेगा। बाजरा और अनाज उत्पादक जिलों की पहुँच बड़े बाजारों तक बनेगी। उज्जैन और ओंकारेश्वर जैसे धार्मिक महत्व के शहरों से सम्पर्क बढ़ेगा। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए, 3 नई ट्रेनें शुरू की गई हैं। रीवा से पुणे (जबलपुर और सतना होते हुए), जबलपुर से रायपुर (नैनपुर, बालाघाट और गोंदिया होते हुए), और ग्वालियर से बेंगलुरु (गुना और भोपाल होते हुए)। ये सेवाएँ कनेक्टिविटी को और भी बेहतर बनाएँगी।

टीईटी आदेश के खिलाफ शिक्षकों का घेराव

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। भोपाल में टीईटी अनिवार्यता के आदेश के विरोध में शिक्षक संगठनों ने बुधवार को एकजुट होकर लोक शिक्षण संचालनालय (DPI) मुख्यालय का घेराव किया। नारेबाजी करते हुए शिक्षकों ने परीक्षा रद्द करने की मांग उठाई। इधर इंदौर सहित प्रदेशभर के कलेक्टर कार्यालय पर सैकड़ों शिक्षकों ने प्रदर्शन किया और टीईटी आदेश के विरोध में नारेबाजी कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भी सौंपे। शिक्षकों का आरोप है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के नाम पर जारी इस आदेश से हजारों पुराने शिक्षकों की नौकरी पर खतरा मंडरा रहा है। संगठनों ने सरकार से टीईटी आदेश को निरस्त करने और सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर करने की मांग की है। अध्यापक-शिक्षक संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारी उपेंद्र कौशल ने बताया कि 8 अप्रैल को हुए जिला स्तरीय प्रदर्शन के बाद DPI भोपाल के संचालक के.के. द्विवेदी को ज्ञापन सौंप दिया गया है और फिलहाल आंदोलन समाप्त कर दिया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 11 अप्रैल तक मध्य प्रदेश सरकार टीईटी परीक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पिटीशन दाखिल नहीं करती है, तो दोबारा आंदोलन शुरू किया जाएगा।

UCC से 5 बीवी-25 बच्चे पर रोक लगेगी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश में यूनिफॉर्म सिविल कोड (UCC) को लेकर सियासत गरमा गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा इसे दिवाली तक लागू करने के संकेतों के बाद भाजपा और कांग्रेस के विधायक आमने-सामने हैं। एक ओर भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने इसे जनसंख्या नियंत्रण के लिए जरूरी बताया है, तो दूसरी ओर कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने इसे बुनियादी मुद्दों से ध्यान भटकाने की साजिश करार दिया है। भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने मुख्यमंत्री के इस कदम का पुरजोर समर्थन करते हुए कहा कि मैं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी को बधाई देता हूं। देश में लगातार जनसंख्या वृद्धि हो रही है और एक कौम 5 बीवी और 25 बच्चे पैदा करके आबादी का नया संकट खड़ा करना चाहती है। UCC लागू होने से इस संकट से निपटा जा सकेगा।" उन्होंने आगे कहा कि जब देश में सभी को समान शिक्षा, समान रोजगार और सरकारी योजनाओं का समान लाभ चाहिए, तो कानून भी सबके लिए एक समान होना चाहिए। कांग्रेस पर तंज कसते हुए शर्मा ने कहा कि कांग्रेस का तो पुराना नारा रहा है 'बच्चे दो ही अच्छे', तो उन्हें तो UCC का सबसे पहले समर्थन करना चाहिए। यह बिल प्रदेश और देश की प्रगति के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

बड़वानी के मोहिपुरा में भूकंप के झटके

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

बड़वानी, एजेंसी। बड़वानी जिले के अंजड़ थाना क्षेत्र के ग्राम मोहिपुरा में बुधवार दोपहर 12 बजकर 48 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.4 मापी गई है। लगभग 2 मिनट तक धरती में कंपन महसूस होने की बात बताई जा रही है। झटके महसूस होते ही ग्रामीण डरकर अपने घरों से बाहर निकल आए। ग्राम मोहिपुरा निवासी लोकेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि दोपहर में जब वे घर पर सो रहे थे, तभी 12 बजकर 48 मिनट पर तेज झटका लगा। इसके बाद वे तुरंत बाहर निकले और आसपास के लोगों से जानकारी ली, तब पता चला कि यह भूकंप के झटके थे। उन्होंने यह भी बताया कि ऐसा पहली बार हुआ है।

जंगल में मिला 'पॉकेट टाइगर', साइज में हथेली जितनी पर फुर्ती में चीते को भी मात

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सागर, एजेंसी। शायद आप यकीन नहीं करेंगे, लेकिन बुंदेलखंड के नौरादेही के जंगलों में 'पॉकेट टाइगर' की मौजूदगी मिली है! इसकी साइज इतनी छोटी होती है कि आपकी हथेली पर समा जाए। दरअसल दुनिया की दुर्लभ और सबसे छोटी जंगली बिल्ली 'रस्टी स्पॉटेड कैट' वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में पाई गई है। मप्र में पहली दफा इस दुर्लभ कैट प्रजाति की बिल्लियों की मौजूदगी के स्पष्ट प्रमाण सामने आए हैं।

मध्यप्रदेश के सबसे बड़े वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व (नौरादेही) में पहली बार 'दुनिया की सबसे छोटी जंगली बिल्ली', जिसे प्यार से 'पॉकेट टाइगर' कहा जाता है, की मौजूदगी के पुख्ता प्रमाण मिले हैं। दुर्लभ प्रजाति की यह 'रस्टी-स्पॉटेड कैट' हाल ही में वन विभाग के ट्रैप कैमरों में कैद हुई है। आकार में महज एक 'हथेली के बराबर' और घरेलू बिल्लियों के शावकों से भी छोटी होने के बावजूद, अपनी फुर्ती और शिकार करने की कला के कारण इसे 'पॉकेट टाइगर' का नाम दिया गया है। इसके अलावा इसे वन्य प्राणियों ने एक और रोचक नाम दिया है 'बिल्लियों का हमिंगबर्ड'। हमिंगबर्ड की तरह छोटा होने और अत्यधिक फुर्तीली होने के कारण इसे यह उपनाम मिला है। इसकी मौजूदगी देखकर वन्यजीव विशेषज्ञ भी हैरान हैं।

नरोत्तम मिश्रा करेंगे 'कम बैक'?

हेमंत खंडेलवाल के साथ बंद कमरे में हुई मीटिंग

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। दतिया विधानसभा सीट पर उपचुनाव की संभावना है। वर्तमान कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती अयोग्य घोषित हो गए हैं। उन्हें बैंक धोखाधड़ी के केस में तीन साल की सजा हुई है। इसके बाद पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा की सक्रियता बढ़ गई है। वह चुनाव में हार के बाद मेनस्ट्रीम पॉलिटिक्स से दूर हैं। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल से नरोत्तम मिश्रा की मुलाकात हुई है। 2023 के विधानसभा चुनाव में नरोत्तम मिश्रा महज 7,742 वोटों से चुनाव हार गए थे। कांग्रेस के राजेंद्र भारती ने उन्हें चुनाव हराया था। भारती को सजा होने के बाद बीजेपी दतिया विधानसभा सीट से उपचुनाव की तैयारियां शुरू कर दी है। वहीं, कांग्रेस अयोग्यता को चुनौती देने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। मामले में 15 अप्रैल को सुनवाई होनी है। अगर वहां से राहत नहीं मिली तो बीजेपी की राहें थोड़ी आसान हो सकती है। वहीं, हाईकोर्ट से अगर फैसला नहीं पलटता है तो दतिया में छह महीने के अंदर उपचुनाव करवाना अनिवार्य होगा। ऐसे में तैयारियां शुरू हो गई। नरोत्तम मिश्रा की सक्रियता फिर से बढ़ गई है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के साथ उनकी बंद कमरे में मुलाकात हुई है। अटकलें हैं कि संभावित उपचुनाव को लेकर ही दोनों के बीच चर्चा हुई होगी।

सड़क हादसे में 2 महिलाओं की मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

छिंदवाड़ा, एजेंसी। जिले के मोहखेड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत बैतूल रोड स्थित नरसला में बुधवार सुबह करीब 9:30 बजे एक तेज रफ्तार पिकअप ने दोपहिया वाहन को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। मिली जानकारी के अनुसार, नरसला निवासी अनंती ककोड़िया (35) पति रवि ककोड़िया, निकिता वाड़ीवा (24) पिता भादूलाल वाड़ीवा और आकाश विश्वकर्मा एक दोपहिया वाहन से छिंदवाड़ा की ओर काम पर जा रहे थे। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि इसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार और अनियंत्रित पिकअप वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद पिकअप चालक मौके से फरार हो गया।

शराबी पति ने पत्नी की हत्या की

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

रीवा, एजेंसी। जिले के सगरा थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात घरेलू विवाद के चलते एक शराबी पति ने अपनी पत्नी पर चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी। आरोपी ने अपनी बड़ी बेटी के सामने हमला किया। गंभीर रूप से घायल महिला ने संजय गांधी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और फरार आरोपी पति की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है। सगरा क्षेत्र निवासी दीपक मिश्रा ने मंगलवार देर रात शराब के नशे में अपनी पत्नी शिखा मिश्रा पर चाकू से हमला किया। आरोपी ने चाकू से पत्नी के पेट और गले पर कई वार किए, जिससे वह लहूलुहान होकर गिर पड़ी। घटना के समय उनकी बड़ी बेटी दिशा भी मौके पर मौजूद थी और उसने अपनी आंखों के सामने मां पर यह हमला होते देखा।

धर्म-कर्म

संपादकीय

धर्म, अंधविश्वास और अदालत

सबरीमला केस की सुनवाई के दौरान बुधवार को धर्म में अंधविश्वास को लेकर सुप्रीम कोर्ट और केंद्र सरकार ने अपनी-अपनी बातें रखीं। कोर्ट ने अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि उसके पास यह तय करने का अधिकार है कि किसी धर्म में कौन-सी प्रथा अंधविश्वास की श्रेणी में आती है। यह टिप्पणी केंद्र के उस तर्क पर आई, जिसमें कहा गया कि कोर्ट यह तय नहीं कर सकता कि कोई धार्मिक प्रथा, अंधविश्वास है या नहीं। जज कानून के विशेषज्ञ होते हैं, धर्म के नहीं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, मान भी लें कि कोई प्रथा अंधविश्वासी है, तब भी उसे अंधविश्वास घोषित करना कोर्ट का काम नहीं है।' संविधान के तहत सुधार के लिए कानून बनाना विधायिका का अधिकार है। कोर्ट ने सवाल किया कि विधायिका चुप रहे तो क्या न्यायपालिका हस्तक्षेप नहीं कर सकती ? बता दें कि चीफ जस्टिस की अगुआई वाली संविधान पीठ धार्मिक स्थलों पर महिलाओं से भेदभाव के मामले सुन रही है। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने पूछा, अदालत कैसे तय कर सकती है। कि कोई प्रथा अंधविश्वास है। भले कोई प्रथा अंधविश्वासी हो, उसे ऐसा घोषित करना अदालत का काम नहीं है। कानून बनाना विधायिका का अधिकार है। इस पर जस्टिस अमानुल्लाह ने कहा, कोर्ट के पास यह कहने का अधिकार है कि कोई प्रथा अंधविश्वास है या नहीं। मेहता ने कहा, भारत जैसे विविध समाज में एक समुदाय की धार्मिक प्रथा दूसरे के लिए अंधविश्वास हो सकती है। इस पर जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने पूछा, कोई समुदाय जादूटोना को प्रथा बताए, तो उसे अंधविश्वास नही माना जाएगा ? अगर अनुच्छेद 32 के तहत मामला कोर्ट में आए और विधायिका चुप रहे तो ?

बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम के कपाट कब खुलेंगे?

चार धाम यात्रा का इंतजार जल्द ही खत्म होने वाला है। जल्द ही केदारनाथ और बद्रीनाथ के कपाट खुलने वाले हैं। हिंदू धर्म में चार धाम यात्रा का विशेष महत्व है। उत्तराखंड के चार प्रमुख धाम है गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ। हर साल लाखों की संख्या में श्रद्धालु इस यात्रा में शामिल होते हैं। आइए जानते हैं केदारनाथ और बद्रीनाथ यात्रा के आरंभ होने की तारीख। मान्यता है कि इस यात्रा को करने से व्यक्ति को आध्यात्मिक शांति की प्राप्ति होती है।

कब खुलेंगे बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम के कपाट

बद्रीनाथ और केदारनाथ मंदिर कमेटी के अनुसार, चार धाम यात्रा का आरंभ 19 अप्रैल को गंगोत्री और यमनोत्री के कपाट खुलने के साथ ही हो जाएगा। इसके बाद केदारनाथ धाम के कपाट 22 अप्रैल को खुलेंगे और 23 अप्रैल को बद्रीनाथ धाम का कपाट भक्तों के लिए खोल दिए जाएंगे।

बद्रीनाथ धाम का महत्व

बद्रीनाथ भगवान विष्णु के 108 पवित्र मंदिर (दिव्य देशम) में से एक पवित्र तीर्थस्थल है, इस मंदिर का भगवान विष्णु के भक्तों के लिए विशेष महत्व रखता है। बद्रीनाथ पंच बद्री मंदिरों का हिस्सा है, जिनमें योग ध्यान बद्री, भविष्य बद्री, आदि बद्री और वृद्ध बद्री शामिल हैं। बद्रीनाथ मंदिर भी इन्हीं मंदिरों का हिस्सा है।

केदारनाथ धाम का महत्व

उत्तरी भारत में स्थित केदारनाथ मंदिर एक प्रमुख तीर्थ स्थल है,केदारनाथ धाम जो मंदाकिनी नदी पर स्थित है और समुद्र तल से 3584 मीटर की ऊंचाई पर है। इस क्षेत्र का ऐतिहासिक नाम 'केदार खंड' है। केदारनाथ मंदिर उत्तराखंड के चार धामों और पंच केदारों का हिस्सा है। केदारनाथ भारत में भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। मान्यता है कि जो व्यक्ति केदारनाथ धाम की यात्रा करता है वह जीवन मरण के चक्र से मुक्त हो जाता है और मोक्ष की प्राप्ति करता है।

केदारनाथ धाम का महाभारत काल से है संबंध

मान्यता है कि जब महाभारत का युद्ध समाप्त हुआ तो सभी पांडव भगवान शिव के आशीर्वाद प्राप्त करने और मुक्ति पाने के लिए पहुंचे थे। मान्यताओं के अनुसार, केदारनाथ धाम की यात्रा करने से सारी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती है। साथ ही जीवन में सुख समृद्धि बनी रहती है। इतना ही नहीं मोक्ष की प्राप्ति भी होती है।

बद्रीनाथ धाम यात्रा के लाभ

बद्रीनाथ धाम में भगवान विष्णु का बद्रीनारायण स्वरूप समर्पित है। बद्रीनाथ धाम को संकद पुराण में बद्रीकाश्रम के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि यह भगवान विष्णु ने तप किया था और उन्हें ठंड से बचाने के लिए माता लक्ष्मी ने उन्हें बद्री के पेड़ के नीचे आश्रय दिया था। भगवान विष्णु ने नर नारायण के रुप में यहां तपस्या की थी। 8वीं सदी में आदि गुरु शंकराचार्य ने बद्रीनाथ मंदिर की फिर से स्थापना की थी। यहां दर्शन करने से व्यक्ति को अपने सभी पापों से मुक्ति मिलती है।

ब्रह्म मुहूर्त में क्या करें और क्या न करें

शास्त्रों के अनुसार इन 5 कामों को करने से जीवन में दिखता है पॉजिटिव चेंज

ब्रह्म मुहूर्त की अवधि को हिंदू धर्म, शास्त्रों और वास्तु में बहुत शुभ माना गया है। यहां तक की आयुर्वेद में भी ब्रह्म मुहूर्त की अवधि में जागने को लाभकारी माना जाता है। सुबह सूर्योदय से ठीक पहले का समय सुबह 4 बजे से लेकर 5 बजकर 30 मिनट तक की अवधि को ही ब्रह्म मुहूर्त कहा जाता है। मान्यता है कि इस दौरान आसपास का वातावरण सबसे शुद्ध, शांत और पवित्र होता है। ऐसे में ब्रह्म मुहूर्त में जागकर ध्यान, योग, प्रार्थना आदि करना अत्यंत शुभ फलदायी माना जाता है। हालांकि, इस दौरान कुछ कार्यों को करना शास्त्रों में वर्जित माना गया है। ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं कि ब्रह्म मुहूर्त में क्या नहीं करना चाहिए और कौन से कार्य करने से मनुष्य के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ सकते हैं।

ब्रह्म मुहूर्त में क्या नहीं करना चाहिए?

1. सूर्योदय से ठीक पहले यानी सुबह 4 बजे से लेकर 5 बजकर 30 मिनट तक की अवधि में अपने मन में किसी भी प्रकार के नकारात्मक विचार नहीं लाने चाहिए। मान्यता है कि करीब डेढ़ घंटे के दौरान हमारे मन में आए विचारों का प्रभाव पूरे दिन पर पड़ता है। ब्रह्म मुहूर्त का समय सबसे अधिक प्रभावशाली होता है और इस समय मनुष्य का मन सबसे शांत होता है। यही कारण है कि ब्रह्म मुहूर्त में नकारात्मक विचार मन में लाने से इसका प्रभाव व्यक्ति के पूरे दिन और फैसलों पर पड़ सकता है।
2. ब्रह्म मुहूर्त में क्रोधित नहीं होना चाहिए। शास्त्रों में यह समय ध्यान और प्रार्थना का बताया गया है। ऐसे में ब्रह्म मुहूर्त में क्रोध करने से इसका नकारात्मक प्रभाव हमारे विचारों और पूरे दिन पर देखने को मिल सकता है।
3. शास्त्रों के अनुसार, ब्रह्म मुहूर्त के दौरान सोना अच्छा नहीं माना जाता है। मान्यता है कि ब्रह्म मुहूर्त यानी सूर्योदय के बाद तक सोने से मनुष्य ध्यान, साधना, पूजा-पाठ आदि की पवित्र और सबसे उत्तम अवधि से वंचित रह सकता है।

ब्रह्म मुहूर्त में क्या करना चाहिए ?

1. वास्तुशास्त्र, ज्योतिषशास्त्र और आयुर्वेद में ब्रह्म मुहूर्त की अवधि में जागना सबसे उत्तम माना गया है। मान्यता है कि इस डेढ़ घंटे की अवधि के दौरान उठने से मनुष्य पूरे दिन ऊर्जावान महसूस करता है। साथ ही, इससे जीवन में सकारात्मक ऊर्जा आकर्षित होती है।
2. ब्रह्म मुहूर्त की अवधि को मंत्र जाप करने के लिए सबसे उत्तम माना गया है। इस दौरान गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए। साथ ही, इस दौरान आप भगवान विष्णु और शिवजी के मंत्रों का जाप भी कर सकते हैं। इस दौरान जप करना सबसे प्रभावशाली माना जाता है।
3. मान्यता है कि 4 बजे से लेकर 5 बजकर 30 मिनट तक के बीच में कुछ देर अपने इष्ट देवता का भी अवश्य करना चाहिए। साथ ही, किसी मनोकामना के लिए उसे मन में रखकर मंत्रों का जाप करने से शुभ फल प्राप्त हो सकता है।
4. हिंदू धर्म में ब्रह्म मुहूर्त के दौरान स्नान करना अत्यंत लाभकारी माना जाता है। नियमित ऐसा करने से जीवन में सकारात्मकता आकर्षित होती है और नकारात्मकता दूर होने लगती है। साथ ही, पूजा पाठ के लिए भी यह समय बहुत शुभ होता है।
5. सुबह 4 से लेकर 5.30 बजे तक के समय में वातावरण में सतोगुण की प्रधानता होती है। इस समय हमारे भीतर किसी प्रकार के विचार नहीं रहते और मन एकदम शांत होता है। ऐसे में ब्रह्म मुहूर्त में हनुमान चालीसा का पाठ करना सर्वोत्तम माना गया है।

New Delhi

नहीं रुकेगा भारत... विदेश से आई गुड न्यूज, ग्लोबल टेंशन भी धुआं-धुआं

नई दिल्ली, (एजेंसी) मिडिल ईस्ट युद्ध ने ग्लोबल टेंशन चरम पर पहुंचा दी थी. हालांकि, अब अमेरिका और ईरान में सीजफायर का ऐलान हो चुका है, लेकिन दूसरी ओर इसके टूटने की खबरें भी सुर्खियां बनी हुई है. बीते कुछ समय में वैश्विक संकट ने तमाम देशों का हाल-बेहाल किया, लेकिन फिर भी दुनिया में सबसे तेजी से आगे बढ़ती भारतीय अर्थव्यस्था पर इसका असर कम ही देखने को मिला.

अब विश्व बैंक ने भी इसे माना है और Global Tension के बावजूद भारत की जीडीपी ग्रोथ के अनुमान में इजाफा कर खुशखबरी दी है. World Bank ने कहा है कि इंडियन इकोनॉमी FY27 में 6.6 फीसदी की रफ्तार से भागेगी. बता दें कि कोरोना महामारी जैसे हालातों में भी भी भारत ने अपना दम दिखाया था और इस माहामारी के संकट से सबसे तेजी के साथ उबरी थी और दुनिया ने इसका लोहा माना था. वर्ल्ड बैंक ने बुधवार को अप्रैल 2026 के दक्षिण एशिया आर्थिक अपडेट को जारी करते हुए चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट का अनुमान बढ़ाकर 6.6% कर दिया है. इससे पहले अक्तूबर 2025 में वर्ल्ड बैंक ने 6.3% की ग्रोथ रेट का अनुमान जाहिर किया था. India GDP Growth Rate को लेकर नया अनुमान जाहिर करने के साथ ही वैश्विक निकाय ने वेस्ट एशिया संघर्ष से पैदा हुई चुनौतियों का हवाला देते हुए आर्थिक वृद्धि दर (India's Economic Growth Rate) FY26 में अनुमानित 7.6% से कम रहने की बात कही है. विश्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट में India GDP ग्रोथ का अनुमान बढ़ाने के साथ ही आगे कहा कि वस्तुओं और सेवाओं पर कर यानी GST Rates में कमी से FY27 की पहली छमाही में उपभोक्ता डिमांड को समर्थन मिलता रहेगा. हालांकि, इसके साथ ही चेतावनी दी कि वैश्विक ऊर्जा कीमतों में वृद्धि (Global Energy Price Hike) से कीमतों पर दबाव बढ़ेगा और परिवारों के खर्च करने की क्षमता सीमित होगी.

Uttarpradesh

मासूम को पानी में डुबोकर मारा, फिर पत्थर से कुचला चेहरा; ट्रेन में बैठने से पहले मौत की पुष्टि करने आई मां

आगरा, (एजेंसी) यूपी के आगरा से दिल दहलाने वाली खबर सामने आई है। यहां एक निर्दयी मां ने मासूम को पानी में डुबोकर मार डाला। इसके बाद नाले में फेंकने से पहले पत्थर से चेहरा कुचल दिया। आरोपी मां ने अवैध संबंध में बाधा बनने पर हत्याकांड को अंजाम दिया। आरोपी दवा दिलाने के बहाने मासूम को घर से ले आई थी।

आगरा के छत्ता थाना इलाके में यमुना किनारा मार्ग पर नाले में मृत मिली बच्ची की पहचान हो गई। बच्ची को उसकी मां ने ही पानी में डुबोकर हत्या की थी। पहचान छिपाने के लिए चेहरा भी पत्थर से कुचल दिया था।

पुलिस का कहना है कि अवैध संबंध का विरोध करने पर पति से विवाद होने के बाद महिला ने वारदात को अंजाम दिया। वह नहीं चाहती थी कि प्रेमी के साथ जाने के दौरान बेटी किसी तरह की बाधा बने। इस कारण ही उसकी जान ले ली। मंगलवार रात यमुना किनारा मार्ग स्थित यमुना आरती स्थल के पास नाले में डेढ़ वर्षीय बच्ची का शव मिला था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर शिनाख्त के प्रयास शुरू किए थे। रात में बच्ची के पिता नाई की मंडी स्थित धाकरान निवासी रामू धाकड़ आए। उन्होंने बताया कि वह चांदी की चेन के कारीगर हैं। बेटी लापता है। उसे ढूंढ रहे हैं। पुलिस ने नाले में मिली बच्ची की फोटो दिखाई तो उन्होंने उसे पहचान लिया। डेढ़ वर्षीय बेटी खुशी के रूप में शिनाख्त की। पोस्टमार्टम गृह पर शव दिखाया गया तो वह रोने लगे। उन्होंने बताया कि पत्नी ममता सुबह 11:30 बजे बेटी को दवा दिलाने के लिए निकली थी। बच्ची की मां पर ही हत्या करने का शक जताया। देर रात बच्ची की मां खुद ही घटनास्थल पहुंच गई। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

Jharkhand

अंधेरी गली में लड़की पर चाकू से 12 वार... मरा समझकर छोड़ गया, राहगीरों ने पहुंचाया अस्पताल

चाईबासा, (एजेंसी) झारखंड के चाईबासा से इस वक्त की एक सनसनीखेज खबर सामने आ रही है. मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कल्याणपुर स्थित गुटुसाईं, आनंद मार्ग स्कूल गली में एक युवती पर अज्ञात युवक ने बेरहमी से चाकू से हमला कर दिया. इस हमले में युवती गंभीर रूप से घायल हो गई है और उसकी हालत नाजुक बनी हुई है.

घायल युवती की पहचान शिल्पी मोदक के रूप में हुई है, जो चाईबासा न्यू कॉलोनी नीमडीह की रहने वाली है. बताया जा रहा है कि वह ट्यूशन पढ़ाकर घर लौट रही थी, तभी पहले से घात लगाए हमलावर अज्ञात युवक ने अंधेरे का फायदा उठाकर पीछे से उस पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया. युवक ने युवती के पीठ और हाथ पर करीब 12 बार चाकू से वार किया, जिससे वह लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़ी. घटना के बाद हमलावर युवती को मृत समझकर मौके से फरार हो गया. इधर, राहगीरों ने जब उसे खून से लथपथ हालत में सड़क पर पड़ा देखा, तो तत्काल उठाकर सदर अस्पताल पहुंचाया.

Uttarpradesh

यूपी में रूह कंपा देने वाली वारदात, गुजरात से लाकर महिला की हत्या, बेटे का जलाया शव

झांसी, (एजेंसी) यूपी के झांसी से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां गुजरात से प्रेमिका और उसके मासूम बच्चे को झांसी लाकर मौत के घाट उतार दिया गया। महिला को कुल्हाड़ी से काट डाला जबकि बच्चे को भूसे के ढेर में डालकर जिंदा जला दिया। बच्चे की हड्डियां बरामद हुई हैं। बुधवार को महिला की पहचान होने पर सनसनीखेज खुलासा हुआ।

झांसी जिले के लहचूरा क्षेत्र में सड़क किनारे 5 अप्रैल को एक महिला का शव मिला था। बरौटा गांव के प्रधान रामप्रसाद ने बताया कि जिस घर के पास महिला की लाश मिली है वह चतुर्भज का है। चतुर्भज की पत्नी हेमलता से फोन पर बात की गई तो उसने बताया कि वह दिल्ली में है। उसके पति के गुजरात की नीलू नाम की एक महिला से संबंध हैं। उसे वह पत्नी की तरह रखे हुए है। उसके साथ तीन साल का बेटा कृष्णा भी है।

इस पर पुलिस मामले की पड़ताल में जुट गई। जांच के दौरान मृतका की पहचान नीलू के रूप में ही हुई। वहीं, इस घटना को लेकर सीओ ने बताया कि प्रधान से पूछताछ के बाद बरौटा चौकी प्रभारी की तहरीर चतुर्भुज के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। जांच में पता चला कि चतुर्भुज छह महीने पहले महिला और उसके बच्चे को लेकर गांव लेकर आया था।

खेल

सांसें थाम देने वाला मुकाबला: गुजरात टाइटंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 1 रन से हराया

नई दिल्ली, (एजेंसी) दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ गुजरात टाइटंस ने एक रन से जीत दर्ज की। बुधवार को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में दिल्ली ने टॉस जीतकर गुजरात को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। गुजरात ने शुभमन गिल (70), वाशिंगटन सुंदर (55) और जोस बटलर (52) की अर्धशतकीय पारियों से 20 ओवर में चार विकेट पर 210 रन बनाए। जवाब में दिल्ली कैपिटल्स की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 209 रन ही बना सकी। उनके लिए केएल राहुल ने सर्वाधिक 92 रनों की पारी खेली।

दिल्ली ने लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) और मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ अपने शुरुआती दो मैच छह-छह विकेट के अंतर से जीते थे। दिल्ली फिलहाल अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। दूसरी ओर, गुजरात की टीम पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने शुरुआती दो मैच गंवा चुकी थी, जिसके बाद आखिरकार गुजरात ने जीत का खाता खोला है। यह टीम अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई है।

आईपीएल के इस रोमांचक मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के बीच आखिरी ओवर तक सांसें थाम देने वाली जंग देखने को मिली। मैच का फैसला सिर्फ एक रन से हुआ, लेकिन असली टर्निंग पॉइंट बना 20वें ओवर की पांचवीं गेंद पर लिया गया एक फैसला। जब प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर डेविड मिलर ने एक रन नहीं लिया।

आखिरी ओवर का रोमांच- विपराज निगम और डेविड मिलर क्रीज पर मौजूद थे। गुजरात के कप्तान शुभमन गिल ने प्रसिद्ध कृष्णा को गेंद थमाई।

पहली गेंदः विपराज निगम ने प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर शानदार चौका जड़ा। (अब पांच गेंदों में नौ रन)

दूसरी गेंदः अगली ही गेंद पर निगम आउट हो गए। शुभमन गिल ने शानदार कैच लपता। (अब चार गेंदों में नौ रन) कुलदीप क्रीज पर आए।

तीसरी गेंदः कुलदीप ने सिंगल लेकर स्ट्राइक डेविड मिलर को दी। (अब तीन गेंदों में आठ रन)

चौथी गेंदः मिलर छक्का लगाकर मैच पूरी तरह पलट दिया। (अब दो गेंदों में दो रन)

पांचवीं गेंदः मिलर ने सिंगल लेने से मना किया, जबकि रन आसानी से मिल सकता था। यही टर्निंग पॉइंट बना। (अब एक गेंद में दो रन)

छठी और आखिरी गेंदः मिलर शॉट खेलते ही रन के लिए दौड़ पड़े, तभी विकेट के पीछे खड़े जोस बटलर ने फुर्ती दिखाते हुए डायरेक्ट हिट किया और कुलदीप रनआउट हो गए।

सिनेमा

मुकेश खन्ना ने समय रैना पर निकाली भड़ास; कहा- कुत्ते की दुम, लोगों ने शक्तिमान को ही किया ट्रोल

समय रैना का यूट्यूब पर कमबैक चर्चा में है। उन्होंने अपने चैनल पर एक वीडियो डाला। इसमें इंडियाज गॉट लैटेंट से जुड़ी कॉन्ट्रोवर्सी और बीते एक साल में उन पर जो बीती, उसके बारे में बात की है। समय रैना ने मुकेश खन्ना का भी मजाक उड़ाया था। अब शक्तिमान को इस बात पर गुस्सा आ गया है। उन्होंने समय रैना के लिए अपने यूट्यूब चैनल पर जमकर भड़ास निकाली है। मुकेश खन्ना ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करके लिखा है कि कुत्ते की दुम टेढ़ी ही रहती है। समय रैना को उल्टा-सीधा बोलने पर लोग मुकेश खन्ना को ट्रोल कर रहे हैं। समय रैना ने अपने चैनल पर एक स्पेशल वीडियो डाला है- समय रैना स्टिल अलाइव। इसमें उन्होंने कॉमेडी के बहाने कई लोगों को लपेटा। उन्होंने मुकेश खन्ना का भी जिक्र किया जिन्होंने इंडियाज गॉट लैटेंट के वक्त समय रैना को खरी-खोटी सुनाई थी। अब मुकेश खन्ना ने पलटवॉर किया है। मुकेश खन्ना ने इंस्टाग्राम पर लिखा है, कुत्ते की दुम टेढ़ी रहती है। उसे लाख शीशियों में रखो। बाहर निकालो। फिर टेढ़ी की टेढ़ी। समय रैना की भी एक दुम है। कितना भी मारो। सीधा करो। वो वापस टेढ़ी हो जाती है। क्योंकि वो सीधा-सादा प्राणी नहीं है। वो रोस्टेड प्राणी है। गंदगी की आग में जलाया हुआ। पकाया हुआ। पूरे देश ने लताड़ा। मारा। फिर आ गया बेशर्मों की तरह और मार खाने। अब एक ही चीज ही बाकी है। उसका मुंह काला कर गधे पर बैठा कर देश भर के शहरों में, गालियों में उसकी परेड करनी चाहिए। जहां बच्चे उसको अंडे, टमाटर मारें। क्योंकि उसने उनके सुपर हीरो शक्तिमान का अपमान किया है।

खुली चिट्ठी
पुष्पेन्द्र पुष्प

"Paid news" or petty vendetta cannot be dignified as journalism, nor can it be called a "sting operation."

In the unholy nexus between journalism and external influences, such "scandals" are orchestrated with little regard for the truth—that the very crime or criminal mindset being projected and exposed is often one in which "they" themselves, overtly or covertly, have long been complicit.

If, as the saying goes, 'in the bathhouse, all stand naked,' then what justifies this audacity of raising one's white collar in self-glorification?

Those external forces who parade themselves as the directors of this vendetta are themselves immersed—neck-deep—in the very practices they claim to expose or condemn.

Why then this charade of purity? Why this insistence on being seen as unblemished?

This unnecessary clamor, this self-congratulatory noise, ultimately harms the very industry it claims to serve.

What we witness is not reform, but rivalry—an attempt to undermine one's own associates, recast as competitors, under the guise of righteousness. It is a failed endeavor to sell oneself as a benefactor of the industry.

But, above all—

an "investigator" is not an informant.

This subtle distinction, unfortunately, escapes many.

editor@dgr.co.in

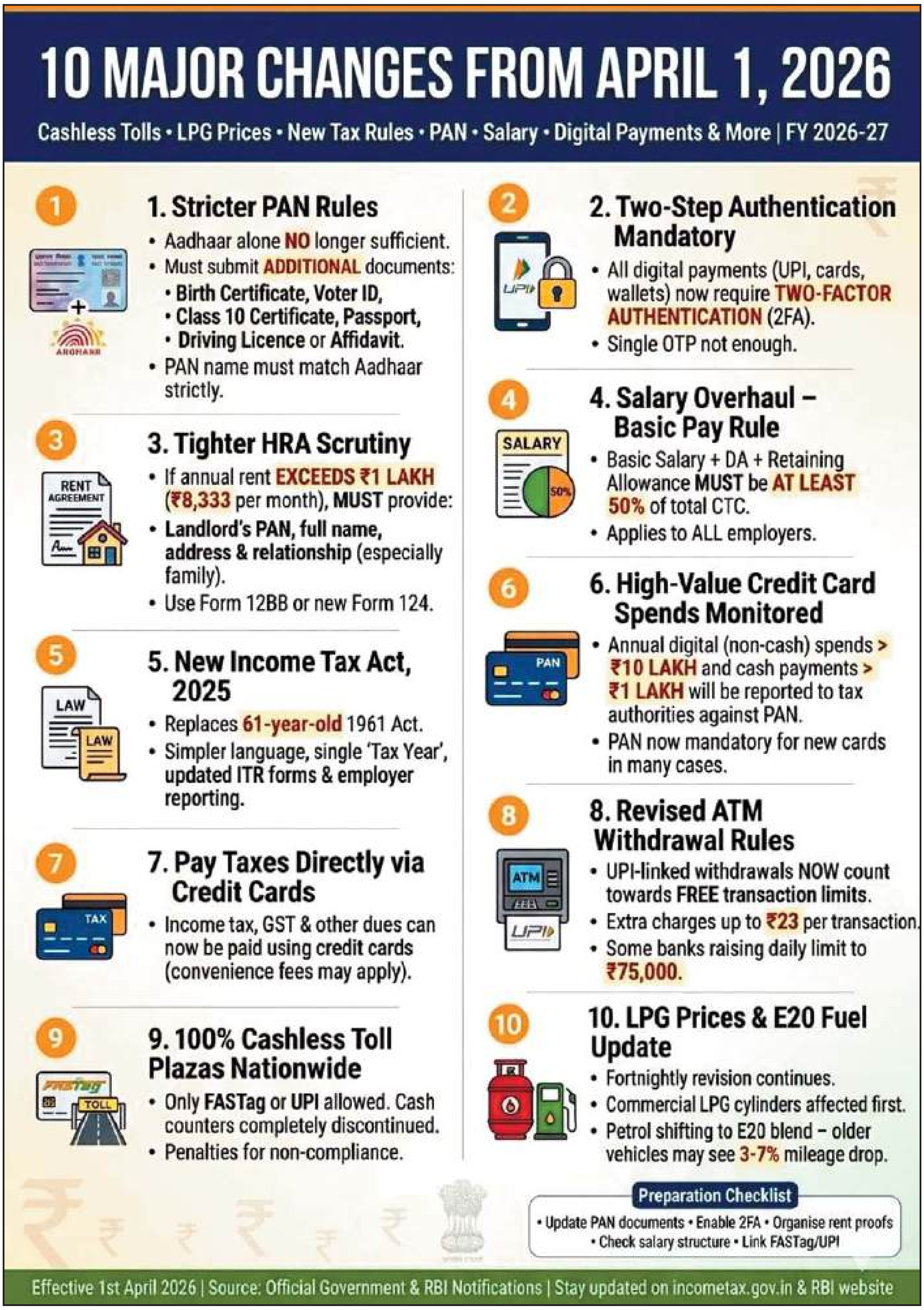

Gautam Adani argues US SEC fraud case against him should be tossed

NEW DEIHI, (Agency). Gautam Adani says that the US Securities and Exchange Commission fraud case against him should be dismissed, with his lawyers arguing that the Wall Street regulator's case "fails" for multiple reasons.

Lawyers for the Indian billionaire and his nephew Sagar Adani said in a letter to a federal judge in Brooklyn, New York, on Tuesday that they will formally seek to

dismiss the case by the end of the month. The US SEC, the attorneys said, lacked necessary jurisdiction over the two men and that the alleged misstatements underpinning the case weren't actionable.

The SEC's lawsuit, filed in November 2024, alleges that the Adanis violated US securities laws by making false and misleading representations about Adani Green Energy Ltd. In addition to the SEC's civil complaint, federal prosecutors in Brooklyn charged the Adanis and others with allegedly helping drive a $250 million bribery scheme in India to lock in solar-power contracts.

स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी

ई-मेल मिलते ही खाली कराया दिल्ली पब्लिक स्कूल का परिसर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। राऊ क्षेत्र के दिल्ली पब्लिक स्कूल को बुधवार को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिला। सुबह करीब 8:23 बजे स्कूल प्रबंधन को यह मेल मिला, जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई और एहतियात के तौर पर पूरे स्कूल परिसर को खाली कराकर छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची, साथ ही बम निरोधक दस्ता (BDS) को भी बुलाया गया। टीम ने स्कूल के हर हिस्से की बारीकी से जांच की, ताकि किसी भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक का पता लगाया जा सके।

बताया जा रहा है कि ईमेल में ड्रोन के जरिए स्कूल को उड़ाने की धमकी दी गई थी, जिससे प्रबंधन और अभिभावकों में दहशत फैल गई। हालांकि, जांच के दौरान अब तक कोई भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक नहीं मिला है। पुलिस के अनुसार, यह धमकी भरा मेल "सीमा" नाम से भेजा गया है। साइबर टीम ईमेल आईडी के आधार पर जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि मेल कहां से भेजा गया। स्कूल प्रशासन की ओर से आशा नायर ने इस संबंध में पुलिस को जानकारी दी थी। वहीं एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि शुरुआती जांच में यह मेल अफवाह प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

● शराब कारोबारी का दावा-

50 लाख में डील हुई

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। मुझे परिवार द्वारा सालाना 50 लाख रुपए के किराए पर जमीन देने के लिए सहमति दी गई थी। इस संबंध में रेमन के दोनों भाइयों, उनकी पत्नियों और उनकी मां ने मुझे घर बुलाकर डील तय की थी। एफआईआर दर्ज करने से पहले मेरा पक्ष नहीं सुना गया और सीधे एकतरफा मामला दर्ज कर दिया गया।

यह कहना है इंदौर के शराब कारोबारी और क्रिकेट टीम के मालिक सूरज रजक का। सूरज का कहना है कि उनके खिलाफ लगाए गए सभी आरोप पूरी तरह निराधार हैं और रेमन कक्कड़ द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर गलत है। उनका दावा है कि जमीन पर कब्जा करने जैसी कोई घटना कभी हुई ही नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि संबंधित परिवार पहले से ही विवादित रहा है और इस जमीन को लेकर पहले भी किसी अन्य व्यक्ति के साथ सौदा कर पैसे हड़पने का मामला कोर्ट में लंबित है। सूरज रजक ने परिवार के साथ हुई चैटिंग और बातचीत साझा करते हुए बताया कि जमीन किराए पर देने के लिए उन्हें परिवार की सहमति मिली थी। परिवार ने उन्हें बताया था कि जमीन सरकारी है और इस पर विवाद चल रहा है, इसलिए फिलहाल लिखित अनुबंध संभव नहीं है, लेकिन 50 लाख रुपए सालाना किराए पर जमीन देने की बात तय हुई थी। सूरज के मुताबिक, रेमन कक्कड़ के भाई ने उन्हें घर बुलाया था, जहां उनकी मां, दोनों भाई, उनकी पत्नियां और बड़े भाई की बेटी भी मौजूद थीं। सभी की सहमति के बाद ही उन्होंने जमीन पर काम शुरू कराया। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि उनका इरादा कब्जा करने का होता, तो क्या वे इस तरह घर जाकर बातचीत करते।

सूरज रजक ने बताया कि उन्होंने हाल ही में जमीन की जानकारी निकाली, जिसमें सामने आया कि इस परिवार ने शहर के एक प्रतिष्ठित व्यापारी के साथ इस जमीन का सौदा किया था। सौदा होने के बाद उन्होंने करोड़ों रुपए भी ले लिए, लेकिन बाद में सौदे से मुकर गए। इसके बाद पैसे के लेनदेन को लेकर मामला कोर्ट तक पहुंचा और वर्तमान में इस जमीन को लेकर न्यायालय में केस चल रहा है। उनकी जानकारी के अनुसार, इस परिवार पर उक्त जमीन से जुड़े चार से पांच मामले कोर्ट में लंबित हैं, जिनमें से दो-तीन मामलों में सामने वाली पार्टी के पक्ष में फैसला भी आ चुका है, जबकि एक-दो मामलों में निर्णय अभी बाकी है।

ज्योतिषीय/अनुष्ठानिक
सलाह -मार्गदर्शन हेतु सम्पर्क करें
"एक सलाहकार और शुभचिंतक"
।। बाबापण्डित ।।
(अनुष्ठानिक कार्य एवं हरिकथा प्रेमी)
आपकी परिस्थितियों को समझते हुए मेरी एक अनुष्ठानिक प्रयोग की सलाह आपकी पीड़ा / समस्या के समाधान में सहायक हो सकती है।
- कतिपय अनुष्ठान प्रयोग -
एक दिवसीय महागणपति एवं आदिदेवभास्कर अभिसिंचन अनुष्ठान
एकदिवसीय अष्टमहालक्ष्मी विनायक अनुष्ठान
एकदिवसीय महादेवरुद्र स्तवन अनुष्ठान
एकदिवसीय हनुमंतवंदन- वाल्मीक सुंदरकांड अनुष्ठान
त्रिदिवसीय सत्यनारायण पूजनकथा - हरिकथा अनुष्ठान
इसके अन्यत्र यजमान की समस्या की भूमिका एवं प्रकृतिनुसार अन्य वैदिक/शास्त्रोक्त अनुष्ठानों का भी प्रयोग समस्या निवारण में किया जा सकता है।
कृपया अपनी जिज्ञासा/समाधान हेतु संपर्क करे।
Email - babapandit.in@gmail.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535
■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक